भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 1907

06 दिसम्बर, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

क्षयरोग के मामले

1907. श्री प्रद्युत बोरदोलोई:

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) असम में क्षयरोग (टीबी) के मामलों का ब्यौरा क्या है और इसका राष्ट्रीय औसत कितना है;
(ख) असम में प्रति लाख जनसंख्या पर औषधि प्रतिरोधी क्षयरोग (डीआर-टीबी) केंद्रों की संख्या कितनी है और इस संबंध में राष्ट्रीय औसत का ब्यौरा कया है;
(ग) पिछले पांच वर्षों के दौरान असम में राष्ट्रीय क्षयरोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के कितने कर्मचारी इस बीमारी से पीड़ित हुए और उनकी मृत्यु हो गई है; और
(घ) क्या सरकार ने असम में एनटीईपी के तहत अनुबंध कर्मचारियों को नियमित कर दिया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) और (ख): असम राज्य के लिए राष्ट्रीय क्षयरोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के अंतर्गत क्षयरोग से पीड़ित रोगियों की संख्या और प्रति लाख जनसंख्या पर डीआर-टीबी केन्द्रों की संख्या और राष्ट्रीय औसत निम्नानुसार है:

	वर्ष 2022 में प्रति लाख आबादी पर टीबी के मामलों की संख्या (अनुमानित)	वर्ष 2023 में प्रति लाख आबादी पर डीआर-टीबी केंद्र की कुल संख्या
असम राज्य	212	0.05
राष्ट्रीय औसत	199	0.05
स्रोत: इंडिया इन-कंट्री मॉडल		

(ग) और (घ): असम राज्य से प्राप्त सूचना के अनुसार, पिछले पांच वर्षों के दौरान एनटीईपी संविदाकर्मियों में से किसी को भी क्षयरोग रोग नहीं हुआ है और उसकी मृत्यु नहीं हुई है और एनटीईपी के अंतर्गत किसी संविदाकर्मी को नियमित नहीं किया गया है।

*****